अध्यक्षीय कार्यालय :
SARITA DAGA
45-46, Gem Enclave, Pradhan Marg,
Malviya Nagar, Jaipur-302017
Mob.: 9413339841
Email: president@abtmm.org

नारीलोक

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का मासिक मुखपत्र
जनवरी, 2025 अंक 318

अध्यक्षीय आह्वान

प्रिय बहिनों,

सादर जय जिनेन्द्र!

घड़ी की सुईयाँ निरन्तर टिक-टिक करती हुई चलती रही और कलैण्डर के पन्ने भी नियत समय पर पलटते रहे। देखते ही देखते वर्ष 2024 अपना सफर पूरा कर अतीत का हिस्सा बनने जा रहा है और हम एक नये वर्ष- 2025 की दहलीज पर खड़े, उसका स्वागत कर रहे है। केसरिया शक्ति की प्रतीक देशभर की मेरी प्रिय बहिनों, नववर्ष के इस शुभ अवसर पर मैं आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं देती हूँ। नया वर्ष आपके लिए सुख, शांति, समृद्धि, शक्ति और सौहार्द की सुनामी लेकर आये। अपनी आध्यात्मिकता, रचनात्मकता, संघ सेवा और महिला मंडल के प्रति अपने कर्त्तव्य निर्वहन के क्षेत्र में आप नये शिखरों का आरोहण करें।

सखियों! वैसे तो हर एक क्षण नया होता है क्योंकि कोई भी बीता हुआ पल लौट कर दोबारा नहीं आता है। हर नया दिन, हर नया महीना और हर नया वर्ष एक पड़ाव की तरह होता है जहाँ हम अपने बीते हुए कल की समीक्षा कर सकते है और आने वाले नये कल के लिए नये संकल्प ले सकते है।

संघीय दृष्टि से देखें तो वर्ष 2024 हमारे लिये महत्वपूर्ण वर्ष रहा। हमारे आराध्य परम श्रद्धेय आचार्यश्री महाश्रमणजी की दीक्षा का यह अमृत वर्ष था। इस वर्ष महिला शक्ति ने भी अपने आराध्य की तपमय अभ्यर्थना की। अमृत वर्ष के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम आकर्षण के केन्द्र रहे और सबने इसकी सराहना की। इसके अलावा देशभर में विभिन्न कार्यशालाओं/कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया।

वर्ष 2025 अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। इस बार हमारा पचासवाँ अधिवेशन आयोजित होने वाला है। यह एक विशिष्ट अवसर है और हम सबको अपना विशिष्ट योगदान इस वर्ष मंडल को देना है। देशभर की हमारी शाखा मंडलों का सक्रिय सहयोग और अप्रतिम स्नेह सदैव हमें मिलता रहा है जिसकी प्रत्यक्ष अनुभूति मैंने देशभर के विभिन्न क्षेत्रों की संगठन यात्राओं के दौरान महसूस की है। इसके लिए मैं अभिभूत हूँ और आप सभी के प्रति हृदय से आभार प्रकट करती हूँ। 50वें अधिवेशन के आयोजन के लिए आप सभी की सक्रिय सहभागिता की अपेक्षा रहेगी और मैं निश्चिंत हूँ कि आप सभी का सक्रिय सहयोग हमें मिलेगा।

क्रमशः पृष्ठ 2 पर

गत पृष्ठ से आगे...

अध्यक्षीय आह्वान...

नव वर्ष की रश्मियों के आलोक में हम भी कुछ नये संकल्पों (Resolutions) के साथ नये वर्ष की शुरुआत करें–

- हफ्ते में एक दिन **Digital Detox** करें। 5-6 घंटे फोन, **Laptop**, **TV** कुछ भी ना देखें। प्रकृति में, परिवार के संग समय व्यतीत करें।
- **किताबें पढ़ें।** निश्चय करें कि हर महीने कम से कम एक किताब पढ़ें। यह आपको जागरूक बनाएगा व आपके व्यक्तित्व को नए आयाम भी देगा।
- **Pleasure of giving** अपनाएं। जितना दुनिया से चाहते हैं, उससे ज्यादा देने का प्रयास करें।
- **Exercise & eat right:** यदि हम हमारे शरीर का ध्यान नहीं रखेंगे तो हमारा शरीर भी हमारा ध्यान नहीं रखेगा। **Emotional & Mental health** पर भी ध्यान दें।
- **Try to improve 1% daily** एवं छोटी-छोटी **wins celebrate** करें।
- अपने समय का नियोजन संघ एवं संस्था के लिए भी करें।
- संघ एवं संघपति के प्रति हमारी आस्था सदैव प्रवर्द्धमान रहे।

एक बार पुनः नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाओं सहित–

शुभाकांक्षी
Sarita Daga
सरिता डागा

POWERHOUSE

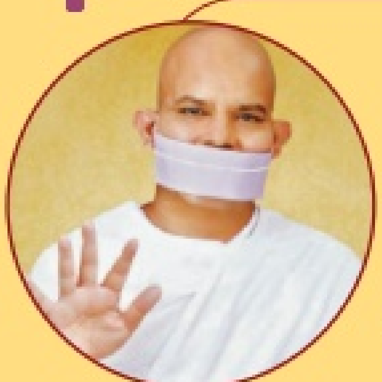

रोज की एक सलाह

श्रद्धा का मतलब यह नहीं है कि तुम गलत बात को पकड़ने के बाद उसे छोड़ो ही नहीं। श्रद्धा यह रखो कि मैं गलत लगने वाली बात को छोड़ भी सकता हूँ।

दूसरों का हित करने वाला अपना हित स्वतः ही कर लेता है और दूसरों का अहित करने वाला अपना अहित कर लेता है।

–आचार्य महाश्रमण (रोज की 1 सलाह से साभार)

श्रद्धा की भाषा

श्रद्धा ज्ञान की परिपक्व दशा का नाम है। ज्ञान के अभाव में जो श्रद्धा होती है वह यथार्थ में श्रद्धा नहीं होती, किन्तु एक संस्कारगत रूढ़ि होती है।

व्यक्ति में सबसे बड़ा बल श्रद्धा का है। श्रद्धा टूटती है, तब पैर थम जाते है, वाणी रूक जाती है और शरीर जड़ हो जाता है। श्रद्धा बनती है तब ये सब गतिशील बन जाते है।

समस्या के समाधान का सबसे बड़ा सूत्र है श्रद्धा। किसी भी विवाद का अन्त तर्क से नहीं होता, किन्तु श्रद्धा से होता है। श्रद्धा जीवन की सबसे बड़ी सफलता है।

–आचार्य महाप्रज्ञ

('अनुभव का उत्पल' से साभार)

प्रेक्षा प्रवाह- शांति और शक्ति की ओर
जनवरी माह : करणीय कार्य

ले प्रकाश की किरण हाथ में, बढ़ते जाए रुके नहीं,
आधि व्याधि से मुक्त रहेंगे, प्रमाद करके रुके नहीं।।

बहिनों! प्रेक्षा ध्यान साधना में आपके बढ़ते कदमों का अभिनन्दन है। इस माह जो कार्यशाला आपको अपने क्षेत्र में **Offline** करनी है, उसका विवरण आपको भेजा जा रहा है।

कार्यशाला हेतु ज्ञातव्य बिन्दु :

1. विषय : 'कायोत्सर्ग' **The best remedy to relieve Stress**

   Organise this Super workshop to ....

   *** Eliminate all type of Stress- Physical, Mental and Emotional.**

   *** U - Unwind yourself.**

   *** P - Practice deep relaxation with complete awareness.**

   *** E- Enhance tolerance power and be fearless.**

   *** R- Revitalise yourself.**

2. कार्यशाला के बैनर का प्रारूप-

   * अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल एवं प्रेक्षा फाउण्डेशन के निर्देशन में आयोजित कार्यशाला 'कायोत्सर्ग'

   आयोजक : स्थानीय तेरापंथ महिला मंडल का नाम

3. कार्यशाला का प्रारूप-

Format for Offline workshop on Kayotsarga

Welcome Speech (3 **minutes**)

Theory : Explanation about Kayotsarga- Spiritual and Scientific perspective (20 **minutes**).

Meditation : सम्पूर्ण कायोत्सर्ग प्रयोग (30 **minutes**).

Information about Preksha meditation App, Online Workshop, Camps etc. (5 **minutes**).

Feedback and Thanks giving (5 **minutes**).

4. कार्यशाला के विशेष बिंदु-

A. यह कार्यशाला जनवरी माह में आयोजित करनी है।

B. ध्यान का प्रयोग (कायोत्सर्ग), चारित्रात्माएं अथवा प्रेक्षा प्रशिक्षक, जो भी उपलब्ध हो, उनसे करवाए। यदि दोनों ही उपलब्ध नहीं है तो ध्यान का प्रयोग (कायोत्सर्ग), **Audio** के माध्यम से कराया जाए। **Audio** प्रेक्षा प्रवाह ग्रुप में भेज दिया जाएगा।

C. कायोत्सर्ग के आध्यात्मिक और वैज्ञानिक विषय पर जानकारी हेतु पुस्तक का **pdf** तथा **Video recording** आपको 'प्रेक्षा प्रवाह' ग्रुप में भेज दी गयी है। आप उनका **Direct** प्रयोग भी कर सकते है। अर्थात **recording** भी दिखा सकते है।

D. कायोत्सर्ग की 5 दिन की **Zoom** पर जो कार्यशाला हुई, उसकी पाँचों दिन की **recording group** में उपलब्ध है। आप उसका भी उपयोग कर सकते है।

E. अपने क्षेत्र की कार्यशाला में संभागी बहिनों की सूची **Phone No.** सहित **record** रखें। जो कभी भी आपसे मंगवाई जा सकती है।

F. कायोत्सर्ग के प्रयोग के दौरान बहिनें अपने साथ लाये **soft** कम्बल का प्रयोग करें तो अधिक उपयोगी होगा।

आप सबकी तत्परता और सघन प्रयास ही सफलता की कुंजी है।

तेरापंथ कन्या मंडल
करणीय कार्य

स्नेहिल कन्याओं!

सादर जय जिनेन्द्र!

नूतन वर्ष का करें हम आगाज, नवीन संकल्प के साथ।
जीवन को खुशहाल बनाने, बटाएं एक दूजे का हाथ।
आत्मतोष हो अनहद-खुशियों से बन जाएं मालामाल।
उपलब्धियों से भरी हो, इक्कीसवीं सदी का पच्चीसवां साल।।

देव-गुरु-धर्म की असीम अनुकंपा से हम सभी नूतन वर्ष का अभिनंदन करने जा रहे है। जिस प्रकार 2024 का वर्ष हम सबके लिए नए उत्कर्ष, अनुभव एवं उपलब्धियों से सराबोर रहा, वैसे ही आने वाला 2025 का वर्ष और भी अत्यधिक सफल बनें, ऐसी शुभकामनाएं।

मैं मंगल कामना करती हूँ कि हमारी प्यारी कन्याएं अपने सपनों को सच करने की दिशा में सतत कदम बढ़ाते हुए, स्वयं का सर्वांगीण विकास करें। आध्यात्मिकता के आलोक से जीवन को ज्योतिर्मय करें। जप, तप, प्रत्याख्यान, स्वाध्याय की निर्बाध साधना में स्वयं को नियोजित करें।

नई आशाएं और नवीन परिकल्पनाएं करेंगे साकार!
छोटे-छोटे त्याग एवं जप-तप से हो निज आत्मा का परिष्कार!!

आपकी दीदी- अदिति सेखानी

जनवरी माह करणीय कार्य : नव संचरण

Determined steps on the path of progress.

प्रगति के पथ पर संकल्पित कदम।

प्रस्तुत है करणीय कार्य... **One Day, One Tyag...**

- जनवरी माह के प्रत्येक दिन **ABTKM Group, Instagram** पर त्याग की **Image** प्रेषित की जाएगी।
- जनवरी माह के प्रथम दिन सामायिक की साधना से हम सभी नव वर्ष को बधाएं। अतः प्रत्येक कन्या मंडल एक जनवरी को यथासंभव सामूहिक सामायिक का आयोजन करें।
- जप-त्याग आदि का क्रम निर्बाध चलता रहे, इस हेतु **image** एक दिन पहले ही **post** कर दी जाएगी।
- ज्यादा से ज्यादा **Group** में इसे **share** करें जिससे **Maximum number of Girls** इसमें **participate** कर पाएंगे।
- प्रत्येक क्षेत्र को एक **Excel Sheet** भेजी जाएगी। कन्या मंडल संयोजिका/सहसंयोजिका को उसे **daily update** करते हुए **February** के प्रारंभ में इसे **Submit** करना होगा।
- प्रत्येक क्षेत्र अपने इस आध्यात्मिक अनुष्ठान की 2 फोटो एवं 30 सेकंड का वीडियो संयोजिका को प्रेषित करें।
- अधिक जानकारी एवं जिज्ञासा समाधान के लिए संयोजिका से सम्पर्क करें।

संयोजिका : सुश्री अंतिमा वढेरा, 9413721304.

Spiritual Enhancement Program

SEP कोर्स में बने सभी कन्याएं भी सहभागी, आध्यात्मिक मूल्यों की प्राप्ति हेतु बने अनुरागी। जैन धर्म के मूल सिद्धांतों एवं तेरापंथ को जाने, साध्वी प्रमुखाश्रीजी की प्रेरणा को हम दिल से माने।

स्नेहिल कन्याओं! आप सभी को ज्ञानार्जन के साथ नए वर्ष का अभिनंदन करना है। पूज्य प्रवरों द्वारा प्रदत्त विशिष्ट प्रेरणा के अंतर्गत जनवरी माह के करणीय कार्य में सभी कन्या मंडल से अधिकाधिक कन्याएं अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा संचालित 90 दिवसीय ऑनलाइन पाठ्यक्रम में निश्चित रूप से सहभागी बने।

राष्ट्रीय संयोजिका- नीलम सेठिया- 9952426060,

राष्ट्रीय कन्या मंडल प्रभारी- अदिति सेखानी- 9909024763.

आध्यात्मिक प्रवृत्तियां

तपोत्याग

।। त्याग पथ से पाये मोक्ष रथ।।

त्रैमासिक संकल्प

आओ बहिनों! नववर्ष के स्वागत में पहने त्याग रूपी नव आभूषण।
निहारे स्वयं को, पाए ऐसा आत्मदर्पण।।

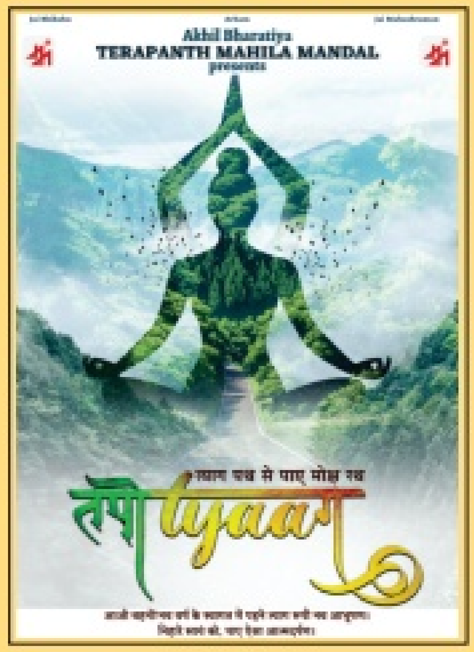

प्रथम सप्ताह

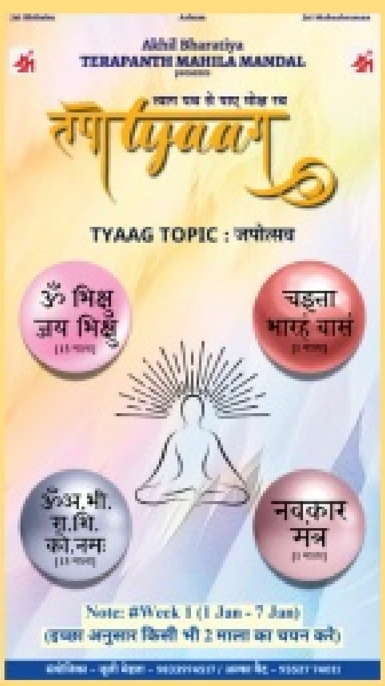

द्वितीय सप्ताह

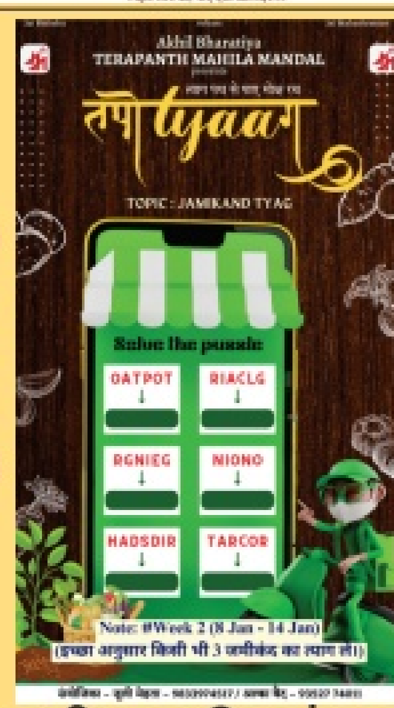

तृतीय सप्ताह

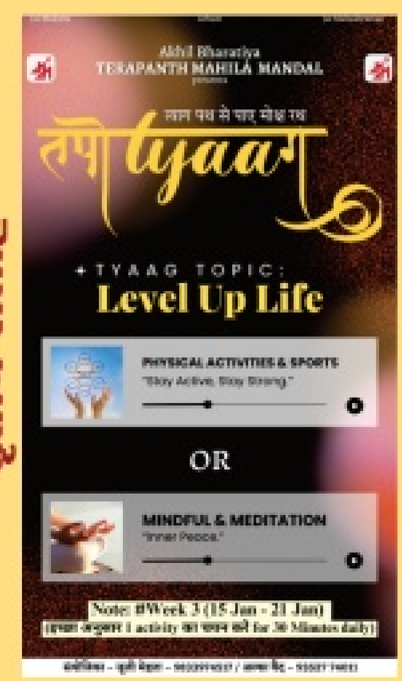

त्रैमासिक संकल्पों के इस क्रम में प्रत्येक माह तीन साप्ताहिक संकल्प दिए जाएंगे। सभी शाखा मंडल अधिक से अधिक संख्या में इन संकल्पों से जुड़े।

प्रथम सप्ताह : दिनांक 1-7 माला संकल्प :

उपरोक्त 4 मंत्रों में से इच्छानुसार किन्ही 2 मंत्रों की माला फेरने का संकल्प करे।

द्वितीय सप्ताह : दिनांक 8-14 जमीकंद त्याग :

उपरोक्त **Puzzle solve** कर इच्छानुसार उनमें से किन्ही 3 जमीकंद के त्याग करें।

तृतीय सप्ताह : दिनांक 15-21 Level up life :

यह सप्ताह रहेगा- **Physical Mental and Inner peace** का, उपरोक्त 2 एक्टिविटी में से प्रतिदिन किसी भी 1 विषय पर 30 मिनट्स करने का लक्ष्य रखें।

गूगल फॉर्म प्रेषित किया जाएगा। सभी शाखा मंडल की अध्यक्ष पूर्ण प्रामाणिकता के साथ तीनों सप्ताह की संख्या उसमें भरे और 25 तारीख तक भेज देवें।

नोट : यह प्रकल्प तीन महीने तक चलेगा

अधिक जानकारी के लिए संयोजिका :

श्रीमती जूली मेहता- 9833974517, श्रीमती अलका बैद- 9352774011

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

के निर्देशन में

गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के अवसर पर आपके क्षेत्र में बनाए गए कन्या सुरक्षा सर्कल एवं स्तंभ पर महिला मंडल की बहनों के साथ ध्वजा रोहण करे।

श्रीमती रंजू लुनिया – 9436103330
श्रीमती अर्चना भण्डारी – 9810011500

कैंसर जागरूकता अभियान

एक कहावत बरसों से सुनते आ रहे है कि 'कोशिश करने वालों की हार नहीं होती', हमने भी इस कहावत को साक्षात अनुभव किया है। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल ने एक अभियान गत वर्ष अपने हाथ में लिया और वो था 'कैंसर जागरूकता अभियान'। जब प्रारम्भ किया तब दो लक्ष्य हमारे सामने आए, पहला कि हम किसी जरूरतमंद को आशा की एक नयी किरण दिखाये और दूसरा लक्ष्य यह था कि कैंसर जैसे दुर्गम जंग से हम कैसे लड़ पाए और उन्हें लड़ने की कला बता पाये।

* लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हमने अपने चिंतन को इस कहावत के इर्द-गिर्द जोड़ा कि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती और हमने कैंसर जागरूकता अभियान के लिए हमारा ध्येय सूत्र दिया- 'मुश्किल है पर नामुमकिन नहीं।'

बस इसी लक्ष्य के साथ आगे बढ़े! प्रतिमाह कदम दर कदम बढ़ते गये और हमारी देशभर में फैली हुई 500 से अधिक शाखाओं के माध्यम से जुड़ी 60000 बहिनों का सहयोग पाकर इस अभियान को एक सार्थक समाधान के रूप में सामने पाया। राष्ट्रीय नेतृत्व के दूरगामी चिंतन से कभी Zoom मीटिंग आयोजित हुई, कभी जाँच करवाने का उपक्रम तो कभी कैम्प लगाने का सिलसिला शुरू हुआ तो कभी जंग में जीतने वाले Cancer Warriors की जुबानी से रूबरू हुए। अनेकों कार्यशालाओं के बाद- एक जुनून, एक जोश और एक उत्साह ने मण्डल के इस अभियान को एक अलग रूप दे दिया और तत्पश्चात Walkathon/Rally, Poster प्रतियोगिता, न्यूजपेपर और एल्यूमिनियम फॉयल का उपयोग खाने को पैक करने में हानिकारक- इस विषय पर कार्यशाला एवं शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य पर आयोजित कार्यशालाएं आदि के उपक्रम भी इस अभियान के मुख्य अंग बने। लगभग एक वर्ष पूर्व 'विश्व कैंसर दिवस' के अवसर पर प्रारम्भ हुआ यह अभियान अब अपनी समाप्ति पर है।

बहिनों! आपकी कर्मजा शक्ति पर हमें गर्व है और आपके चिंतन का हम अभिनंदन करते हैं- Cancer Awareness Program की समाप्ति से पूर्व हम उन बिन्दुओं को प्रस्तुत करें जो हमारी क्रियान्विति के हिस्से बने।

अब हमें करणीय कार्य के अंतर्गत करना है-

* इस अभियान के अंतर्गत विश्व कैंसर दिवस को ध्यान में रखते हुए हम एक बार पुनः पूर्व में आयोजित कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए Check-up Camp आयोजित करें।
* कैंसर पीड़ितों से सम्पर्क कर उनको प्रोत्साहित करें और उनका उत्साहवर्धन करते हुए कैंसर से लड़ने के लिए उनके संस्मरण नोट करें।
* अभातेमम. द्वारा गत महीनों में दिए गए कार्यक्रमों में कोई भी कार्यक्रम अभी तक आपने आयोजित नहीं किया है तो अब भी आयोजित कर सकते है तथा आपके क्षेत्र की अपेक्षा के अनुसार पूर्व में आयोजित कार्यक्रम को दोबारा भी आयोजित कर सकते है।
* महत्वपूर्ण फोटोग्राफ, समाचार पत्रों एवं Social Media में प्रकाशित-प्रसारित न्यूज की कटिंगों को इकट्ठा करें एवं इस अभियान के अंतर्गत विशिष्ट व्यक्तियों से मुलाकात के प्रसंग (अभियान के प्रति उनके विचार एवं संबंधित फोटो भी) संकलित कर मंडल के रिकॉर्ड में रखें।

इस अभियान के अंतिम चरण में क्रियान्विति के रूप में साथ जुड़ जाये और आपकी सक्रियता सहज एक बिम्ब बन जाये, ऐसा प्रयास करें। अभियान के अंतर्गत शाखाओं द्वारा किए गए कार्यों को समय-समय पर हमने 'नारीलोक' एवं Social Media में भी प्रकाशित-प्रसारित किए है।

नोट : किसी भी जिज्ञासा हेतु आप संयोजिका- अनिता बरड़िया से 9500454089 पर सम्पर्क कर सकते है।

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत तेरापंथ दर्शन एवं तत्त्वज्ञान की परीक्षाएं सम्पन्न

18 व 21 दिसम्बर, 2024

जिण घट समकितो रूपियो, उग्यो सूरज सार।

तिण घट हूवो चांदणो, दूर गयो अंधकार।।

घट-घट में सम्यकत्व रूपी सूर्य के उदय होने से ही अज्ञान रूपी अंधकार दूर होता है। आचार्य भिक्षु की इसी वाणी के आधार पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत तत्त्वज्ञान तेरापंथ दर्शन पाठ्यक्रम की परीक्षा दिनांक 18 व 21 दिसम्बर, 2024 को सानन्द सम्पन्न हुई। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा के सक्षम नेतृत्व में देश-विदेश के लगभग 90 परीक्षा केन्द्रों में तत्त्वज्ञान व तेरापंथ दर्शन की परीक्षाओं का आयोजन हुआ। लगभग 740 परीक्षार्थी इस योजना के संभागी बने और इसमें लगभग 33 चारित्रात्माओंकी भी सहभागिता रही। आचार्यश्री महाश्रमणजी की शुभ दृष्टि से इस बार USA के 12 परीक्षार्थी भी निर्जरा के इस महनीय उपक्रम में योगभूत बने।

इस उपक्रम को सफल बनाने में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की चीफ ट्रस्टी एवं परियोजना निदेशक श्रीमती पुष्पा बैंगानी, तत्त्वज्ञान तेरापंथ दर्शन राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती कुसुम बैंगानी, पूर्वाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती रंजू लूणिया, प्रबुद्ध श्रावक श्री सुशील बाफना, श्रीमती दीपाली सेठिया, श्रीमती सरला सुराणा, श्रीमती नवीन पींचा, श्रीमती मनीषा सेठिया, श्रीमती पूनम बैद की अहम भूमिका रही। महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल एवं राष्ट्रीय पदाधिकारीगण व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों ने भी पूर्ण सजगता के साथ अपने क्षेत्र के परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया एवं परीक्षार्थियों का उत्साहवर्धन किया। आप सभी के प्रति हार्दिक आभार। व्यवस्थापिका बहिनों ने पूर्ण जागरूकता के साथ कर्त्तव्य निर्वहन कर समय और श्रम का नियोजन किया, सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद। आप सभी के सहयोग से ही यह कार्य सफल हुआ है। विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हैं- श्री सुमति जी, सुमन श्री गोठी का जिन्होंने अपनी माता तत्त्वज्ञ श्राविका श्रीमती रतनी देवी गोठी ट्रस्ट से इस योजना के संचालन हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की ओर से इस परियोजना से जुड़ी सभी व्यवस्थापिका बहिनों, प्रशिक्षकों के प्रति हार्दिक आभार।

नये शाखा मंडल का गठन

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा 3 नई शाखाओं का गठन किया गया-

भरूच : अभातेममं के निर्देशानुसार रा.का.स. श्रीमती श्रेया बाफना एवं श्रीमती पूर्णिमा गादिया की उपस्थिति में भरूच शाखा का गठन किया गया।

रायगढ़ : समणी विपुलप्रज्ञा जी के सान्निध्य में रायगढ़ (छत्तीसगढ़) में नई शाखा का गठन हुआ।

सरायपल्ली : समणी विपुलप्रज्ञा जी के सान्निध्य में सरायपल्ली (छत्तीसगढ़) में भी नई शाखा का गठन हुआ।

हार्दिक बधाई - मंगल कामना।

अभातेममं. राष्ट्रीय कार्यसमिति में नव मनोनीत सदस्य-

श्रीमती कविता आच्छा- हैदराबाद

श्रीमती ललिता बैद- फरीदाबाद

श्रीमती प्रेम दूगड़- विराटनगर

रा.का.स. में नवमनोनीत सदस्यों को बधाई- मंगल कामना।

लक्ष्य

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित 'लक्ष्य' कार्यशाला का आयोजन

15 दिसम्बर, 2024, छापर।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार छापर तेरापंथ महिला मंडल द्वारा 'लक्ष्य' कार्यशाला का आयोजन कालू कल्याण केन्द्र, छापर में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुनिश्री डॉ. विनोद कुमारजी के मंगल उद्‌बोधन से हुआ। छापर की बहिनों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रतिनिधियों का स्वागत तिलक लगाकर किया। स्थानीय महिला मंडल की बहिनों ने मंगलाचरण किया एवं अध्यक्ष श्रीमती मंजू दूधोड़िया ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं टीम का स्वागत करते हुए कहा कि आज मुझे बहुत खुशी हो रही है, लक्ष्य कार्यशाला का आयोजन छापर की धरा पर हो रहा है। अभातेमम. राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने अपने ओजस्वी वक्तव्य के साथ बहिनों को प्रेरणा देते हुए कहा, यह कालूगणी की जन्मभूमि है, इस धरा से हर महिला को अपने व्यक्तित्व में निखार लाकर मंडल को सशक्त, सुदृढ़ बनाना है। आपने कहा कि बहिनों, नया साल सामने आ रहा है, हम सभी बहिनों को तत्त्वज्ञान, तेरापंथ दर्शन, SEP और जैन स्कॉलर जैसे महत्वपूर्ण उपक्रम से ज्यादा से ज्यादा जुड़ना है। हमारी बेटियाँ घर के कार्य के साथ एक लक्ष्य भी बनाएं, हमें जीवन में कुछ ना कुछ करना भी है तभी जीवन को सार्थक बना पाएंगे, आप जिस लक्ष्य के साथ आगे बढ़ना चाहते है। उसके लिए समय देना होगा, कड़ी मेहनत और जुनून से कार्य करेंगे तभी सफलता हासिल होगी। अभातेमम. की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने कहा कि हमें बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए। हमारे बुजुर्ग माता-पिता छत की तरह होते हैं जो आँधी, तूफान, बारिश से हमारी रक्षा करते हैं, उनको हमेशा सम्मान देना चाहिए।

कन्या मंडल ने बहुत ही सुंदर प्रस्तुति दी कि हमें भी आगे बढ़ते रहना है और जीवन में कुछ ना कुछ करते रहना है। राकास थली संभाग प्रभारी छापर की धरा से जुड़ी श्रीमती अलका बैद ने अभातेमम. की स्थाई गतिविधियों की सारगर्भित जानकारी देते हुए हर एक गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। संस्कार सेतु के माध्यम से विस्तृत जानकारी के साथ समझाया। ज्यादा से ज्यादा बहिनें नारीलोक प्रश्नोत्तरी, **Wisdom Wednesday** से जुड़े। ज्ञानशाला प्रभारी श्रीमती ज्योति दुधोड़िया, श्रीमती शांति दुधोड़िया ने भी अपने विचार एवं श्रीमती सपना बैद ने स्वरचित गीतिका प्रस्तुत की। गोपालपुरा सरपंच श्रीमती सविता राठी की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का कुशल संचालन छापर की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सरिता सुराणा ने किया, धन्यवाद ज्ञापन स्थानीय मंत्री श्रीमती हेमलता दुधोड़िया ने किया। अभातेमम. की ओर से छापर महिला मंडल को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

जैन स्मारक पर आराधना

16 दिसम्बर, 2024, चूरू।

तेरापंथ धर्म संघ के चतुर्थ आचार्य श्रीमद् जयाचार्य द्वारा प्रदत्त पंचाक्षरी मंत्र- 'ॐ अ.भी.रा.शि. को नमः' में उल्लेखित महातपस्वी मुनिश्री भीम जी स्वामी, मुनिश्री रामसुख जी स्वामी, मुनिश्री कोदर जी स्वामी का समाधि स्थल 'जैन स्मारक' चूरू। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, पूर्व अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद एवं थली संभाग प्रभारी श्रीमती अलका बैद 'जैन स्मारक' पहुँचे एवं धर्म आराधना की। इस अवसर पर श्री ओसवाल श्री संघ पंचायत के अध्यक्ष श्री श्रवण कोठारी एवं पदाधिकारियों ने अभातेमम पदाधिकारियों का अभिनन्दन किया। श्री संघ ओसवाल पंचायत के कार्यकारिणी सदस्यों के साथ-साथ महिला मंडल मंत्री श्रीमती पायल दफ्तरी, पूर्व अध्यक्ष श्रीमती मुन्नी कोठारी, श्रीमती उर्मिला बांठिया, श्रीमती संतोष बैद एवं कन्या मंडल संयोजिका सुश्री आयुषी कोठारी भी उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित 'लक्ष्य' कार्यशाला का आयोजन

16 दिसम्बर, 2024, सुजानगढ़

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित 'लक्ष्य' कार्यशाला शासनश्री साध्वी सुप्रभाजी ठाणा 5 के सान्निध्य में तेरापंथ सभा भवन में आयोजित की गई। सर्वप्रथम आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत कन्या मंडल की बेटियों द्वारा तिलक लगाकर किया गया। इस कार्यशाला का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र द्वारा किया गया तत्पश्चात महिला मंडल की बहिनों द्वारा मंगलाचरण प्रेरणा गीत द्वारा किया गया। स्थानीय महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती राजकुमारी भूतोड़िया ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। साध्वीश्री मनीषा श्रीजी ने 'लक्ष्य है ऊंचा हमारा' विषय पर अपने भावों की अभिव्यक्ति की। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने महिला मंडल द्वारा संचालित कार्यक्रमों से जुड़ने की प्रेरणा दी। तत्त्वज्ञान, जैन स्कॉलर, SEP जैसी संचालित कोर्स से जुड़ने की प्रेरणा दी एवं आध्यात्मिक गतिविधियों से जुड़कर स्वयं का विकास करने का लक्ष्य रखे। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह बताते हुए कहा कि आप भी अपने जीवन में कुछ ऐसे लक्ष्य निर्धारित करें जिससे आपका जीवन सफलता की ओर अग्रसर हो। नया साल आने वाला है तो आप कुछ ऐसा रिजोल्यूशन ले जिससे आपका एक लक्ष्य निर्धारित हो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने कहा कि लक्ष्य का जीवन में ना होना हमारे जीवन को निरर्थक कर देता है। तत्पश्चात थली प्रभारी श्रीमती अलका बैद द्वारा मंडल की गतिविधियों के बारे में समझाया गया और प्रश्न उत्तर द्वारा इसे हल भी किया गया। वक्ता के रूप में गोपालपुरा की सरपंच श्रीमती सविता राठी, सभापति श्रीमती नीलोफर गौरी, श्रीमती जयश्री दाधीच, श्रीमती सरोज देवी पूनिया एवं ओसवाल स्कूल के प्रधानाचार्य श्री सुकेश पचोरी आमंत्रित थे। आभार ज्ञापन कोषाध्यक्ष श्रीमती सज्जन देवी बोकाड़िया द्वारा किया गया। सफल संयोजन महिला मंडल मंत्री डॉ. पूजा फुलफगर द्वारा किया गया। मंगल पाथेय शासनश्री सुप्रभाजी ने मंगल आशीर्वचन प्रदान किया। 150 भाई-बहिनों की उपस्थिति रही। अभातेमम. की ओर से सुजानगढ़ मंडल को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया तत्पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने अपनी टीम सहित मुनिश्री जयकुमार जी एवं मुनिश्री विजय कुमारजी के दर्शन किए।

16 दिसम्बर, 2024, चूरू।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल, चूरू द्वारा क्षेत्रीय 'लक्ष्य' कार्यशाला का आयोजन तेरापंथ भवन, चूरू में किया गया। इस कार्यशाला में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा की अध्यक्षता रही। अभातेमम. पूर्व अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद एवं राकास थली प्रभारी श्रीमती अलका बैद की गरिमामयी उपस्थिति रही। श्रीमती सरिता डागा ने कहा कि लक्ष्य छोटा हो या बड़ा, उसको प्राप्त करने के लिए जी जान लगा देनी चाहिए। हमें तत्त्वज्ञान, जैन स्कॉलर व SEP जैसे उपक्रम से भी जुड़ने का लक्ष्य रखना चाहिए। श्रीमती पुष्पा बैद ने जीवन में लक्ष्य निर्धारित करना कितना महत्वपूर्ण है, उसके बारे में बताया। श्रीमती अलका बैद ने कहा कि मेहनत करने से ही निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। वर्तमान में जितने भी प्रकल्प अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा चलाए जा रहे हैं, उनके बारे में जानकारी दी। कार्यशाला के अंत में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने स्थानीय बहिनों के साथ मन की बात की। कार्यशाला का प्रारम्भ तेरापंथ महिला मंडल, चूरू की बहिनों द्वारा मंगलाचरण से किया गया। तेरापंथ महिला मंडल, चूरू अध्यक्ष श्रीमती सायर बैद ने स्वागत भाषण में कार्यशाला में उपस्थित सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में तेरापंथ फाउण्डेशन के ट्रस्टी श्री विनोद लूनिया, महासभा के बीकानेर संभाग आंचलिक प्रभारी श्री राजेश बांठिया, ओसवाल श्री संघ पंचायत के अध्यक्ष श्री श्रवण कोठारी, मंत्री श्री राकेश कोठारी, कोषाध्यक्ष श्री अजय दफ्तरी, सह मंत्री श्री हितेश कोठारी, श्री शांतिलाल कोठारी, श्री चैनरूप बैद, श्री राजेन्द्र सुराणा एवं अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। कार्यशाला में 50 महिलाओं की उपस्थिति रही। आभार ज्ञापन तेरापंथ महिला मंडल, चूरू मंत्री श्रीमती पायल दफ्तरी ने किया। कार्यशाला का संचालन तेरापंथ कन्या मंडल, चूरू संयोजिका सुश्री आयुषी कोठारी ने किया। अभातेमम. की ओर से चूरू मंडल को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

सेवा दर्शन - संगठन सम्पर्क यात्रा

15 दिसम्बर, 2024, चाड़वास

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने चाड़वास में मुनिश्री जम्बु कुमारजी के दर्शन किए तत्पश्चात चाड़वास महिला मंडल की बहिनों से मंडल की गतिविधियों पर चर्चा-परिचर्चा की। यात्रा में राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ पूर्व अध्यक्ष, रा.का.स. श्रीमती पुष्पा बैद व रा.का.स. थली प्रभारी श्रीमती अलका बैद भी उपस्थित थे।

15 दिसम्बर, 2024, लाडनूं।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, पूर्व अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद, थली प्रभारी श्रीमती अलका बैद ने महिला मंडल के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक शासन गौरव साध्वीश्री कल्पलता जी के दर्शन कर सुख पृच्छा ली एवं मंडल की गतिविधियों की जानकारी निवेदित करते हुए मार्गदर्शन प्राप्त किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस यात्रा में समाहित 'लक्ष्य कार्यशाला' के बारे में भी अवगत करवाया।

16 दिसम्बर, 2024, बीदासर।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, पूर्व अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद, थली प्रभारी श्रीमती अलका बैद ने बीदासर सेवा केन्द्र में साध्वी कार्तिकयशा जी के दर्शन कर सुख पृच्छा की एवं मंडल की गतिविधियों की जानकारी देते हुए इस यात्रा में आयोजित 'लक्ष्य कार्यशाला' के उद्देश्य के बारे में बताया।

16 दिसम्बर, 2024, पड़िहारा

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा अपनी टीम मेम्बर पूर्व अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद, राकास थली प्रभारी श्रीमती अलका बैद के साथ पड़िहारा महिला मंडल प्रांगण में पधारे। स्थानीय मंडल की बहिनों ने स्वागत तिलक किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने महिला मंडल की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए बहिनों को जानकारी प्रदान की एवं केन्द्रीय गतिविधियों से जुड़कर प्रत्येक महिला को जागरूक बनने की प्रेरणा दी। महिला मंडल की बहिनों ने मंगलाचरण व श्रीमती मंजू देवी दुगड़ ने संयोजन करते हुए स्वागत भाषण और आभार व्यक्त किया एवं वक्तव्य में कहा कि केन्द्रीय कार्यकर्ता की इस तरह की यात्राएं वस्तुतः प्रत्येक शाखा मंडल की सुप्त चेतना को जगाने का महान सेतु है।

16 दिसम्बर, 2024, राजलदेसर।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, पूर्व अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद एवं राकास थली प्रभारी श्रीमती अलका बैद का आज संगठन यात्रा के दौरान राजलदेसर में आगमन हुआ। शासनश्री साध्वीश्री मान कुमारीजी के सान्निध्य में कार्यक्रम रखा गया। प्रेरणा गीत से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। महिला मंडल द्वारा स्वागत गीत का संगान किया। कन्या मंडल ने तिलक लगाकर अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया। स्थानीय महिला मंडल की मंत्री श्रीमती रीना बैद ने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों का स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने महिला मंडल द्वारा संचालित कार्यक्रमों से जुड़ने की प्रेरणा देते हुए कहा कि तत्त्वज्ञान, जैन स्कॉलर, SEP जैसे संचालित कोर्स से जुड़े एवं आध्यात्मिक गतिविधियों से जुड़कर स्वयं का विकास करने का लक्ष्य रखे। शासनश्री साध्वीश्री मान कुमारीजी ने मंगल आशीर्वचन प्रदान किया। स्थानीय महिला मंडल की कोषाध्यक्ष श्रीमती प्रेम देवी बिनायकिया ने आभार ज्ञापन एवं कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती मोनिका बैद ने किया। अंत में साध्वीश्री के मंगल पाठ से कार्यक्रम का समापन हुआ।

प्रेक्षा प्रवाह शक्ति एवं शांति की ओर

प्रेक्षा ध्यान कल्याण वर्ष के उपलक्ष में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल एवं प्रेक्षा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में Zoom पर पाँच दिवसीय प्रेक्षा ध्यान कार्यशाला का आयोजन 21 दिसम्बर, 2024 से 25 दिसम्बर, 2024 तक किया गया। प्रतिमाह आयोजित होने वाली यह तीसरी कार्यशाला थी जिसमें 200 से भी अधिक बहिनेंप्रतिदिन Zoom एवं You Tube live पर जुड़ी। बहिनों ने पूरी एकाग्रता और नियमितता के साथ कार्यशाला का लाभ उठाया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने विशाल स्तर पर आयोजित होने वाली प्रेक्षाध्यान कार्यशालाओं के आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बहिनें परिवार की केन्द्र बिंदु है, उनके mental & emotional balance को ध्यान में रखते हुए इन कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। गुरुदेव का सपना हर महिला प्रेक्षाध्यान से जुड़े, तभी साकार होगा जब ज्यादा से ज्यादा बहिनें इन sessions से जुड़ेगी।

प्रथम दिन चीफ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी ने सुभाशंसा देते हुए सभी बहिनों को प्रेरणा दी। समताल श्वास प्रेक्षा का प्रयोग कोलकाता से प्रशिक्षक श्रीमती सुधा जैन ने करवाया एवं बाकी चार दिन ऑडियो द्वारा प्रयोग करवाया गया। प्रतिदिन इसी क्रम में कायोत्सर्ग प्रयोग एवं सूत्र की जानकारी दी। बंगलूरू से प्रशिक्षिका श्रीमती वीणा बैद ने और अंतिम दिन यह प्रयोग आचार्यश्री महाप्रज्ञ की आवाज में audio द्वारा करवाया गया। Theory के अंतर्गत कायोत्सर्ग का इतिहास, अर्थ और दर्शन पर महत्वपूर्ण जानकारी वरिष्ठ प्रशिक्षक इंदौर से श्री राजेन्द्र मोदी ने प्रदान की। कायोत्सर्ग का वैज्ञानिक आधार एवं लाभ पर रोचक प्रशिक्षण दिल्ली से प्रशिक्षिका डॉ. कमला जैन ने दिया। कायोत्सर्ग का आध्यात्मिक आधार एवं लाभ विषय को मुम्बई से प्रशिक्षिका श्रीमती मीना सबद्रा ने सरलता के साथ समझाया। जिज्ञासा समाधान के सत्र भी रखे गए, जिसमें बहिनों ने बड़ी जागरूकता के साथ प्रश्न उत्तरों के माध्यम से अपने जिज्ञासाओं का समाधान पाया।

कार्यक्रम की राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती वीणा बैद ने प्रतिमाह होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं प्रेक्षा फाउंडेशन की विभिन्न गतिविधियों पर विस्तार से समझाया। उन्होंने निरंतर ध्यान साधना के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई। संरक्षिका श्रीमती तारा सुराना ने कार्यशाला की सफलता पर बधाई देते हुए प्रेक्षाध्यान को अपने नियमित दिनचर्या बनाने की प्रेरणा प्रदान की तथा इस महत्वपूर्ण अभियान के लिए गुरुदेव के प्रति तहे दिल से कृतज्ञता ज्ञापित की। प्रतिदिन google form द्वारा attendance लिया जा रहा था। कार्यशाला के पाँचों दिन technical support व संचालन राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती अनुपमा नाहटा ने किया।

एक मुलाकात विशिष्टजन के साथ

गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल को 'संरक्षणम्' एवं 'ज्योतिर्मय' प्रतिवेदन भेंट करते हुए राष्ट्रीय कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अदिति सेखानी, अभातेमम.परिवार एवं तेरापंथ महिला मंडल, अहमदाबाद के सदस्य।

आध्यात्मिक प्रवृत्तियां

श्रृंखलाबद्ध पौषध व्रत

माह नवम्बर एवं दिसम्बर में श्रृंखलाबद्ध पौषध व्रत में सभी क्षेत्रों ने उत्साह-उमंगपूर्वक सहभागिता दर्ज करवायी है। भविष्य में भी इसी रूप में उत्साह प्रदर्शित करते हुए अन्य शाखाएं भी इस महायज्ञ में अपनी आहूति देते हुए अध्यात्म की राह में प्रशस्त होंगे, ऐसा पूर्ण विश्वास है। सभी क्षेत्रों के प्रति खूब-खूब साधुवाद। श्रृंखलाबद्ध पौषध व्रत में संबद्ध होने वाली शाखाओं की सूची नीचे दी गई है।

श्रृंखलाबद्ध पौषध व्रत में आगामी जनवरी व फरवरी माह के तारीख आरक्षण हेतु **Google Form link:**

https://forms.gle/R7C4NvSVARGA2XebA

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें- संयोजिकाः श्रीमती नीतू बैद, मो. 9924180371.

श्रृंखलाबद्ध पौषध करने वाले क्षेत्रों की सूची-

दिनांक	क्षेत्र	कुल पौषध	दिनांक	क्षेत्र	कुल पौषध
1 नवम्बर, 2024	सूरत	81	16 नवम्बर, 2024	पटना सिटी	2
1 नवम्बर, 2024	जयपुर	2	17 नवम्बर, 2024	खारगढ़ नवी मुम्बई	22
2 नवम्बर, 2024	इरोड़	15	18 नवम्बर, 2024	लावा सरदारगढ़	11
3 नवम्बर, 2024	घाटकोपर	2	19 नवम्बर, 2024	हैदराबाद	29
4 नवम्बर, 2024	श्री डूंगरगढ़	10	19 नवम्बर, 2024	मैसूर	7
5 नवम्बर, 2024	विरार मुम्बई	3	20 नवम्बर, 2024	हैबरगाँव नोगाँव	12
6 नवम्बर, 2024	अहमदाबाद	38	21 नवम्बर, 2024	जलगाँव	36
6 नवम्बर, 2024	विजयनगर	5	22 नवम्बर, 2024	इंदौर	13
7 नवम्बर, 2024	दलखोला	3	23 नवम्बर, 2024	इच्छलकरणजी	40
8 नवम्बर, 2024	टिटलागढ़	2	24 नवम्बर, 2024	बाली बैलूर	2
9 नवम्बर, 2024	टी दासरहली	15	25 नवम्बर, 2024	अम्बेजोगई	5
10 नवम्बर, 2024	बुरहानपुर	3	26 नवम्बर, 2024	सिंधनूर कर्नाटका	1
11 नवम्बर, 2024	सवाई माधोपुर	5	27 नवम्बर, 2024	चैम्बुर	9
12 नवम्बर, 2024	पालघर	6	27 नवम्बर, 2024	गुड़गाँव	2
13 नवम्बर, 2024	पनवेल मुम्बई	11	28 नवम्बर, 2024	रायगंज	1
13 नवम्बर, 2024	विशाखापट्टनम	6	29 नवम्बर, 2024	काजूपाड़ा मुम्बई	1
14 नवम्बर, 2024	सिलीगुड़ी	45	30 नवम्बर, 2024	बालोतरा	5
14 नवम्बर, 2024	उदयपुर	7	30 नवम्बर, 2024	चित्तौड़गढ़	4
15 नवम्बर, 2024	नागपुर	7			

क्रमशः

आध्यात्मिक प्रवृत्तियां

श्रृंखलाबद्ध पौषध व्रत

दिसम्बर माह

दिनांक	क्षेत्र	कुल पौषध	दिनांक	क्षेत्र	कुल पौषध
1 दिसम्बर, 2024	सूरत	5	16 दिसम्बर, 2024	गुलाबबाग	11
2 दिसम्बर, 2024	लोंगवाल पंजाब	4	17 दिसम्बर, 2024	राजमुंदरी	2
2 दिसम्बर, 2024	विलासीपाड़ा	3	18 दिसम्बर, 2024	नॉर्थ दिल्ली	17
3 दिसम्बर, 2024	जोरहाट	7	19 दिसम्बर, 2024	हैदराबाद	26
4 दिसम्बर, 2024	तारानगर	4	20 दिसम्बर, 2024	देशनोक	5
5 दिसम्बर, 2024	डीसा	7	21 दिसम्बर, 2024	उत्तरपाड़ा	3
6 दिसम्बर, 2024	अहमदाबाद	20	21 दिसम्बर, 2024	ढेकियाजुली	1
7 दिसम्बर, 2024	कांकरोली	11	22 दिसम्बर, 2024	जलगाँव	33
8 दिसम्बर, 2024	पनवेल नवी मुम्बई	2	23 दिसम्बर, 2024	केलवा	20
9 दिसम्बर, 2024	राउरकेला	1	24 दिसम्बर, 2024	कांटाबांजी	1
9 दिसम्बर, 2024	टी. दासरहल्ली	7	25 दिसम्बर, 2024	कुर्ला मुम्बई	1
10 दिसम्बर, 2024	चित्रदुर्ग	1	26 दिसम्बर, 2024	उदयपुर	7
11 दिसम्बर, 2024	गजपुर मेवाड़	5	27 दिसम्बर, 2024	बाली बेल्लुर	3
12 दिसम्बर, 2024	पालनपुर	2	28 दिसम्बर, 2024	आमेट	13
13 दिसम्बर, 2024	विजयनगर बंगलूरू	11	29 दिसम्बर, 2024	भिलोड़ा	2
14 दिसम्बर, 2024	कुर्ला मुम्बई	1	30 दिसम्बर, 2024	राजनंदगाँव	4
15 दिसम्बर, 2024	नंजनगुड़ कर्नाटका	3	31 दिसम्बर, 2024	बालोतरा	11

सभी बहिनों के प्रति हार्दिक अनुमोदना-साधुवाद।
त्याग के उपक्रम में सहभागी बन कर्म निर्जरा का लाभ लेवें।

आध्यात्मिक प्रवृत्तियां

पार्श्वनाथ प्रभु जन्म कल्याणक

25 दिसम्बर, पौष कृष्ण दशमी, तेईसवें तीर्थंकर पार्श्व प्रभु के जन्म कल्याणक का पावन दिन। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्त्वावधान में बहिनों ने उपसर्गहर स्रोत के अनुष्ठान का शुभारम्भ किया। अनुष्ठान रात्रिकालीन 8-45-9.45 तक 27 दिनों तक चलाने का लक्ष्य लेकर शुरू किया गया है।

रा.का.स. श्रीमती शिल्पा बैद इस अनुष्ठान को विधिवत रूप से अन्य कार्यकारिणी सदस्य बहिनों व कुछ अन्य प्रशिक्षित बहिनों के सहयोग से निरंतर गतिमान रखते हुए स्वयं व अन्य सैकड़ों बहिनों की निर्जरा में अपना श्रम नियोजित कर रही है। साथ ही 26 दिसम्बर से मध्याह्न 3-4 बजे प्रतिदिन (Except Sunday) श्रीमती शिल्पा बैद द्वारा ही पार्श्व चरित्र, पार्श्व पूर्वभव और उपसर्गहर स्रोत को गहराई से समझने-समझाने का क्रम भी गुरुदेव की कृपा से निर्बाध रूप से चल रहा है।

नारीलोक प्रश्नोत्तरी

ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी

जनवरी, 2025

सन्दर्भ पुस्तक : तेरापंथ की 9 साध्वी प्रमुखाएं (पेज संख्या 189 से 214)

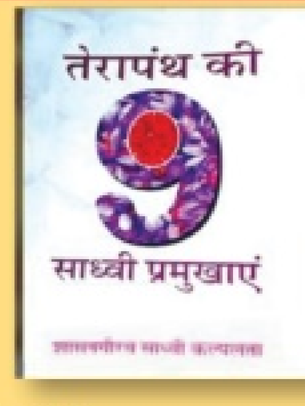

निम्न प्रश्नों के उत्तर दें

1. साध्वीप्रमुखाश्रीजी के कर-कमलों से गंगाशहर निवासिनी मुमुक्षु बहिन सुधा का दीक्षा संस्कार कहाँ पर सम्पन्न हुआ?
2. पूज्य गुरुदेव आचार्यश्री तुलसी कहाँ पर संतों को पढ़ा रहे थे तब साध्वीप्रमुखाश्रीजी ने साध्वियों को भी पढ़ाने का निवेदन किया?
3. वि.सं. 2023 फाल्गुन कृष्णा तृतीया को आचार्यश्री तुलसी ने दक्षिण यात्रा के लिए प्रस्थान कहाँ से किया?
4. मर्यादा महोत्सव पर निर्णय-विंशिका धारणा प्रणाली से संबंधित कहाँ पर एक दिन में एक सौ पचहत्तर प्रतियाँ तैयार की?
5. आचार्य तुलसी ने आचार्य बनकर पहला चातुर्मास कहाँ पर किया?
6. रजोहरण की माँग बढ़ने पर साध्वीप्रमुखाश्री लाडांजी की प्रेरणा से तीन दिन में तेरह रजोहरण कहाँ पर साध्वियों ने तैयार कर दिए?
7. साध्वी लाडांजी को साध्वीप्रमुखा की नियुक्ति करने के पश्चात उसी दिन आचार्यवर ने नियुक्ति पत्र कहाँ पर लिखा?
8. वि.सं. 1993 में साध्वी दाखांजी का चातुर्मास कहाँ पर था?
9. वि.सं. 2001 आचार्यश्री तुलसी ने मर्यादा महोत्सव के अवसर पर साध्वी लाडांजी जी को आहार-पानी के विभाग से मुक्त अर्थात बख्शीश कहाँ पर की?
10. साध्वी लाडांजी और भ्राता मुनि चंपक ने मिलकर अपने अनुज का वर्धापन कौनसे गाँव में किया?

रिक्त स्थान की पूर्ति करें

11. जिस समाज में व्यवस्थाएं जितनी न्याय और समानता पर आधारित होती है वह समाज व संगठन .... होता है।
12. आज तेरापंथ महिला समाज का उन्नत, शिक्षित, रूढ़िमुक्ति और प्रगतिशील स्वरूप दिखाई दे रहा है, उसकी नींव में साध्वीप्रमुखाश्री .... के सोचपूर्ण श्रम की लंबी कहानी है।
13. गुरु का आसन .... में है। वे हमें सदैव सर्वत्र प्रकाश प्रदान करते हैं, हमारा मार्गदर्शन करते हैं और सिद्धि सदन तक पहुँचाते हैं।
14. काम संभालने वालों को कभी साधुवाद तो कभी बड़ा .... भी मिल सकता है। उनकी प्रशंसा कम और आलोचना अधिक होती है।
15. अभय की आराधना में वही साधक सफल होता है, जिसकी .... दृढ़तर होती है।
16. कला एक ऐसा विषय है जो सत्य शिव के साथ .... की प्रस्तुति देता है।
17. अध्ययनशील विद्यार्थियों के लिए .... एक कसौटी होती है।
18. सतियों! उस .... का अधिक मूल्य होता है जिससे हजारों दीप जल उठते हैं।
19. तेरापंथ द्विशताब्दी समारोह के अवसर पर तेरापंथ समाज में सामाजिक बदलाव की दृष्टि से आचार्यवर ने '...' नाम से एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।
20. कोलकाता के प्रथम चातुर्मास करने का इतिहास साध्वियों के नाम बने, साध्वीप्रमुखाश्रीजी की भावना का समादर करते हुए आचार्यवर ने साध्वी........................ आदि छह साध्वियों को वह अवसर प्रदान किया।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें : संयोजिका : श्रीमती इन्दिरा लुणिया, कटक
Mob.: 9438368264, E-mail: luniaindira@gmail.com

Google Form submit करने की अन्तिम तिथि : 20 जनवरी, 2025

Google Form Link : https://forms.gle/y7K15MBw4A3dSB2H8

दिसम्बर 2024 प्रश्नोत्तरी के सही उत्तर

1. सैंतीस	2. काढ़ा	3. साध्वी दाखांजी	4. चौथा	5. नवरंगी
6. मुनिश्री सुखलालजी	7. हरियाली	8. सरदारशहर	9. लूणकरणजी चौपड़ा	10. केसर बाई
11. उज्ज्वल	12. अनुशासन	13. आस्था	14. समभाव	15. समर्पित
16. शल्यक्रिया	17. ज्ञानाराधना	18. अंधविश्वास	19. कर्मठता	20. चमत्कार

दिसम्बर, 2024 प्रश्नोत्तरी के भाग्यशाली विजेता

1. समता बैद, कालीकट	2. ममता बोथरा, इस्लामपुर	3. अलका पटावरी, कांदीवली
4. कंचन श्यामसुखा, पुणे	5. माया देवी आंचलिया, सैंथिया	6. शोभा देवी कोठारी, राउरकेला
7. कविता लोढ़ा, नोएडा	8. खुशबू घोड़ावत, कटिहार	9. ममता दुगड़, गुवाहाटी
	10. विमला लूणिया, जयपुर शहर	

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को प्राप्त अनुदान

अनुदान सूची एवं प्रेरणा दाता

1.	स्व. श्री तुलसी राम जी छाजेड़ की प्रथम पुण्यतिथि पर दीपिका, रश्मि, उपमा, जागृति, धीरज, नेहा छाजेड़, सरदारशहर द्वारा (भावना सेवा)	1,25,000
2.	गुप्तदान	50,000
3.	तेरापंथ महिला मंडल, अम्बिकापुर (छत्तीसगढ़) (भावना सेवा)	21,000
4.	तेरापंथ महिला मंडल, छापर (भावना सेवा)	11,000
5.	तेरापंथ महिला मंडल, चूरू (भावना सेवा)	11,000
6.	तेरापंथ महिला मंडल, सुजानगढ़ (भावना सेवा)	11,000
7.	श्रीमती सीता बाई हस्तीमल गादिया, चैन्नई (भावना सेवा)	10,000
8.	तेरापंथ महिला मंडल, भिलाई (भावना सेवा)	7,000
9.	श्रीमान दिलीप कुमार नमन कुमार गादिया, चैन्नई (भावना सेवा)	5,000
10.	श्रीमती प्रतिभा पोकरना, रायपुर (भावना सेवा)	5,000
11.	श्रीमती माया सेठिया, रायपुर (भावना सेवा)	5,000

सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी' जैन विश्व भारती, लाडनूं 341 306 (जिला- नागौर, राजस्थान)

श्री नारीलोक

महामंत्री कार्यालय

महामंत्री
नीतू ओस्तवाल
5-0-1&2, आर.सी. व्यास कॉलोनी,
सूर्यांश, मदर टैरेसा स्कूल के पास,
भीलवाड़ा-311001 (राज.)
मो.: 9257011205
secretary@abtmm.org

देखने हेतु
www.abtmm.org
www.facebook.com/abtmmjain/
https://bit.ly/abtmmyoutube

कोषाध्यक्ष कार्यालय

कोषाध्यक्ष
तरुणा बोहरा
203, 204, सांघवी एक्जोटिका,
मराठा कॉलोनी, दहिसर वेस्ट,
मुम्बई-400068
मो.: 8976601717
tarunajain365@gmail.com